भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 30 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1315 घंटे

विषय: i) अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जिसमें 30 तारीख को जम्मू में, 30 और 31 तारीख को हिमाचल प्रदेश में और 30 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 के दौरान उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
ii) 30 अगस्त तक कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, केरल और तटीय कर्नाटक में भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 30 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- गुजरात क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- जम्मू, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चल रही है।
- उत्तरी कोंकण और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक मध्य क्षोभमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है।
- पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मध्य-ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के ऊपर बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व असम और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- अगले 7 दिनों तक उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान में; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में 30 अगस्त से 2 सितंबर तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक; पश्चिमी राजस्थान में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 और 2 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना; हिमाचल प्रदेश में 30 और 31 अगस्त को; उत्तराखंड में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक; जम्मू, पंजाब में 30 अगस्त को; पूर्वी राजस्थान में 31 अगस्त को और उत्तर प्रदेश में 1 सितंबर को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा और उत्तर प्रदेश में 30 अगस्त को; राजस्थान, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड में अगले 5 दिनों तक गरज और बिजली के साथ वर्षा की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में अगले 7 दिनों तक; सौराष्ट्र और कच्छ में 30 अगस्त, 4 और 5 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; कोंकण, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 30 अगस्त को; गुजरात क्षेत्र में 30 अगस्त और 3 से 5 सितंबर के दौरान बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में अगले 7 दिनों तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, विदर्भ में 30 और 31 अगस्त को; झारखंड में 2 सितंबर को; ओडिशा में 31 अगस्त से 3 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; पश्चिम मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में 30 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 30 अगस्त, 4 और 5 सितंबर को; असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 अगस्त से 5 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; अरुणाचल प्रदेश में 30 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय कर्नाटक में अगले 7 दिनों तक; केरल में 30 अगस्त और 3 से 5 सितंबर के दौरान; तेलंगाना में 31 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 31 अगस्त से 3 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को 30 अगस्त से 4 सितंबर 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है:

- **अरब सागर:** सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 30 अगस्त से 4 सितंबर तक; मध्य अरब सागर और आसपास के क्षेत्रों में 30 अगस्त से 4 सितंबर तक; दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कई क्षेत्रों में 30 अगस्त से 4 सितंबर तक; दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कई हिस्सों में 30 अगस्त से 4 सितंबर तक; लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्रों में 30 अगस्त से 2 सितंबर तक; मालदीव के कुछ हिस्सों में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक; दक्षिण गुजरात, कोंकण गोवा तटों के साथ और बाहर 31 अगस्त से 3 सितंबर तक; कर्नाटक तट के साथ और बाहर 30 अगस्त से 2 सितंबर तक न जाएँ।

- **बंगाल की खाड़ी:** उत्तरी तट के साथ और बाहर 31 अगस्त से 4 सितंबर तक; मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ दक्षिणी हिस्सों में 30 अगस्त को; मध्य और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में 31 अगस्त से 4 सितंबर तक; मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र में 30 अगस्त से 4 सितंबर तक; अंडमान सागर में 31 अगस्त से 4 सितंबर तक न जाएँ।

ii. 30 अगस्त से 02 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **गुजरात क्षेत्र:** हलोल (जिला पंचमहल) 17; डोलवण (जिला तापी) 15; शाहेरा (जिला पंचमहल) 13; उमरगाम (जिला वलसाड) 10; नडियाद (जिला खेड़ा), वालोद (जिला तापी) 9 प्रत्येक; उमरेठ (जिला आनंद), उमरपाड़ा (जिला सूरत), कामरेज (जिला सूरत) 8 प्रत्येक; ओलपाड (जिला सूरत), मांडवी (जिला सूरत) 7 प्रत्येक;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: बक्सादुवार (जिला अलीपुरद्वार) 16; नगरकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 15; चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी), डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 14 प्रत्येक; बनारहट हाई स्कूल (जिला जलपाईगुड़ी) 12; डोमोहानी (जिला जलपाईगुड़ी), मयनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी) 10 प्रत्येक; भगतपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9; मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), ट्रा नगरकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: खरगोन-एडब्ल्यूएस (जिला खरगोन), वारला (जिला बड़वानी) 15 प्रत्येक; थिकरी (जिला बड़वानी) 11; पिथमपुर (जिला धार), चाचरियापाटी (जिला बड़वानी) 10 प्रत्येक; पंधाना (जिला खंडवा), राजपुर (जिला बड़वानी), भगवानपुरा (जिला खरगोन) 9 प्रत्येक; सेंधवा (मेड) (जिला बड़वानी) 8; धार-एडब्ल्यूएस (जिला धार), धरमपुरी टप्पा (जिला धार), गोगावन (जिला खरगोन) 7 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा**: म्हसला (जिला रायगढ़) 14; हरनाई आईएमडी (जिला रत्नागिरी) 13; मुरुद (जिला रायगढ़) 12; राजापुर (जिला रत्नागिरी) 11; सांताक्रूज (जिला मुंबई उपनगरीय), पनवेल एआरजी (जिला रायगढ़), रामेश्वर एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग) 9 प्रत्येक; टीबीआईए आईएमडी पार्ट टाइम (जिला ठाणे), ताला (जिला रायगढ़) 8 प्रत्येक; सानगुयम (जिला दक्षिण गोवा), रोहा (जिला रायगढ़), कुदाल (जिला सिंधुदुर्ग), मुलदे एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग), सावर्डे-एआरजी (जिला रत्नागिरी), दहानु (जिला पालघर) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश:** नवाबगंज (जिला बरेली) 13; बिजनौर (जिला बिजनौर) 12; मेरठ (जिला मेरठ) 11; मुजफ्फरनगर (जिला मुजफ्फरनगर) 10; मुजफ्फरनगर(टी) (जिला मुजफ्फरनगर) 9; धामपुर (जिला बिजनौर) 8;
- **मध्य महाराष्ट्र**: इरंडोल (जिला जलगांव) 12; गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 9; जामनेर (जिला जलगांव), इगतपुरी (जिला नासिक) 8 प्रत्येक; पाथर्डी (जिला अहिल्यानगर), अमलनेर (जिला जलगांव) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक**: गेर्सो (जिला उत्तर कन्नड़) 11; मंकी (जिला उत्तर कन्नड़) 9; मुल्की (जिला दक्षिण कन्नड़) 8; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **पंजाब**: फंगोटा (जिला पठानकोट) 11; रणजीत सागर डैम साइट (जिला पठानकोट) 10;
- **अरुणाचल प्रदेश**: नाहरलागुन (जिला पापुमपारे) 10; दापरिजो (जिला ऊपरी सुबनसिरी), ईटानगर (जिला पापुमपारे) 9 प्रत्येक; नाहरलागुन एडब्ल्यूएस (जिला पापुमपारे) 7;
- **हिमाचल प्रदेश**: चुआरी (जिला चंबा) 10; जोगिंदरनगर (जिला मंडी) 9; धर्मशाला (जिला कांगड़ा), रामपुर बुशहर (जिला शिमला) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: जौनपुर सीडब्ल्यूसी (जिला जौनपुर) 9; पट्टी (जिला प्रतापगढ़) 8;
- **असम और मेघालय**: रंगनदी एनटी क्रॉसिंग (जिला लखीमपुर) 9; शेल्ला (जिला पूर्वी खासी हिल्स), एन.लखीमपुर/लिलाबारी (जिला लखीमपुर), धेमाजी (जिला धेमाजी), चौलधुवाघाट एआरजी (जिला लखीमपुर), लखीमपुर एआरजी (जिला लखीमपुर) 7 प्रत्येक;
- **जम्मू-कश्मीर**: उधमपुर(आईएएफ) (जिला उधमपुर) 9, रियासी केवीके एडब्ल्यूएस (जिला रियासी) 7, रियासी एआरजी (जिला रियासी) 7;
- **मराठवाड़ा**: हडगांव (जिला नांदेड़) 8;
- **पूर्वी राजस्थान**: बड़ेसर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 8; निंबाहेड़ा (जिला चित्तौड़गढ़), मावली (जिला उदयपुर) 7 प्रत्येक;

❖ **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक:** कालसा (जिला चिक्कमगलुरु), कोट्टिगेहरा (जिला चिक्कमगलुरु), अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7 प्रत्येक।

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	30- Aug	31- Aug	1- Sep	2- Sep	3- Sep	4- Sep	5- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	WS	FWS	SCT	ISOL	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

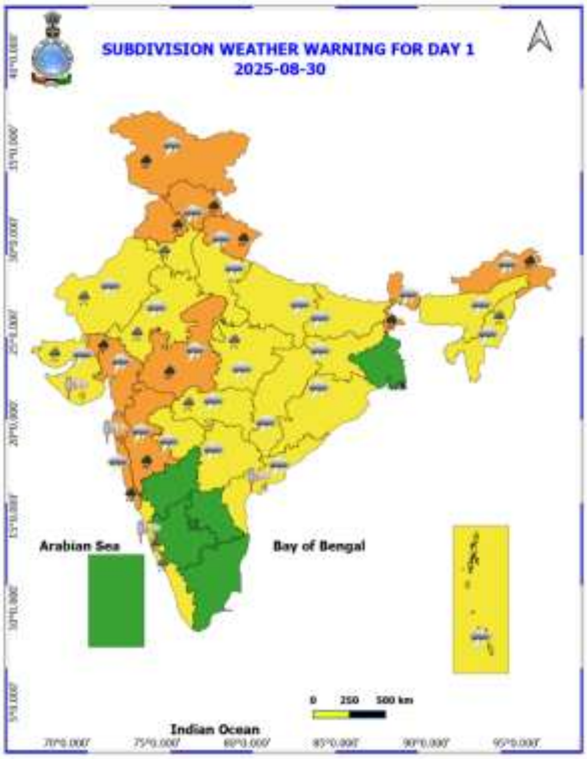

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

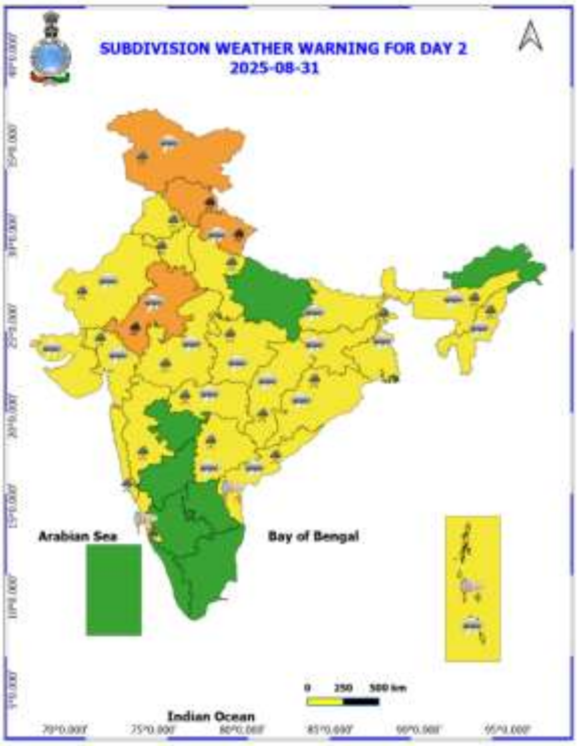

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

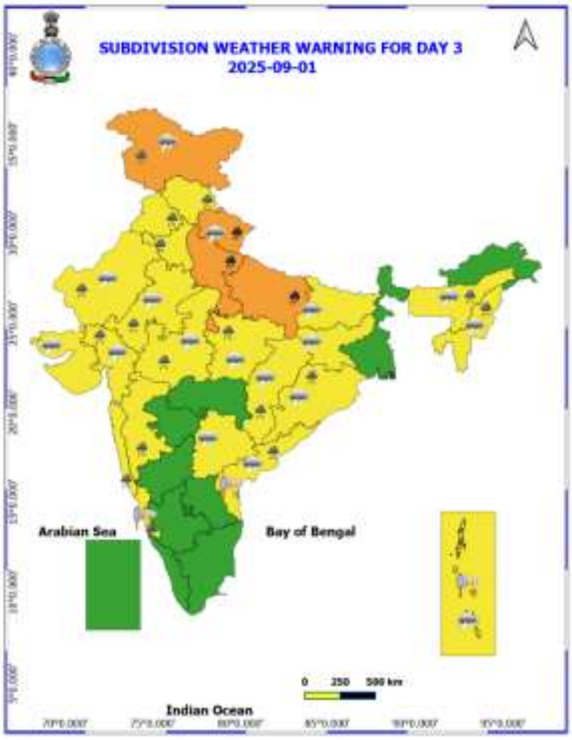

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

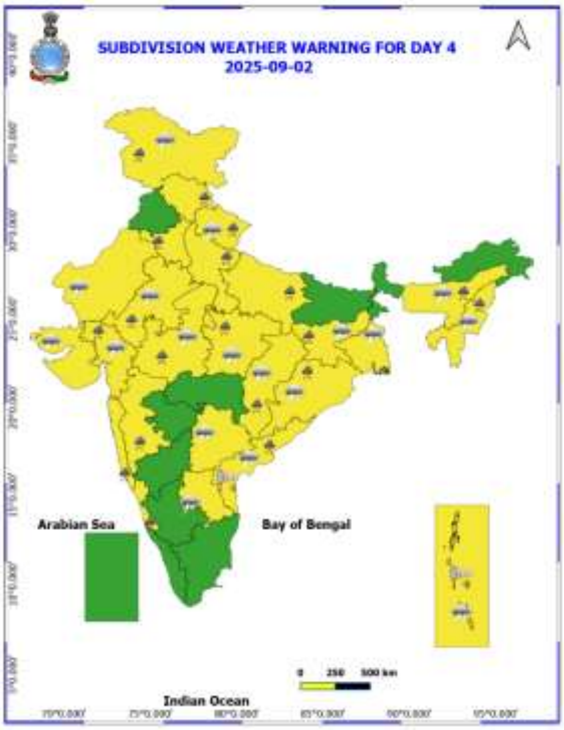

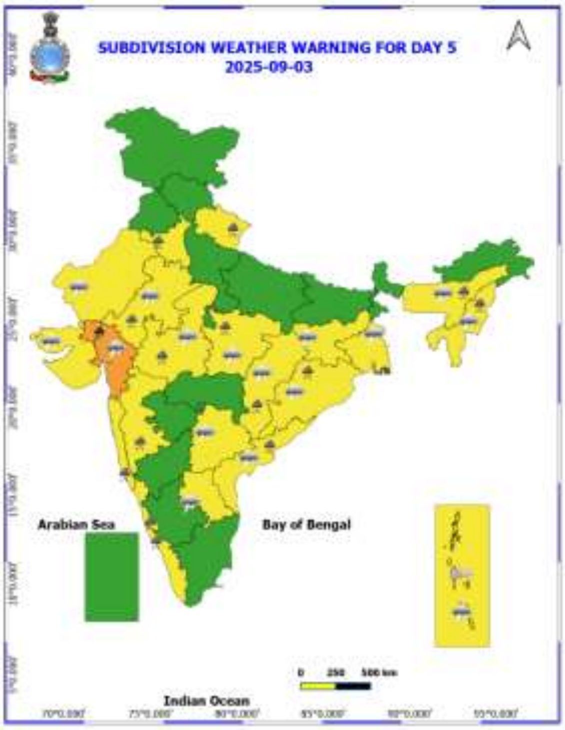

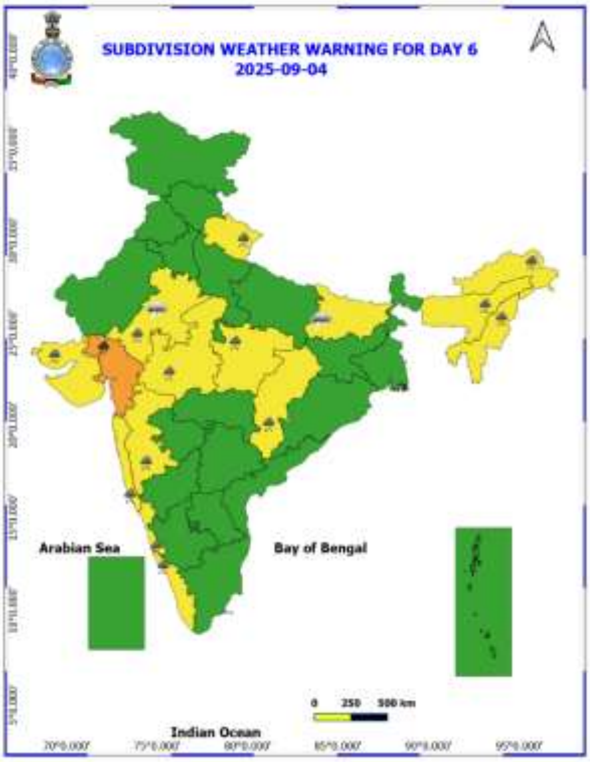

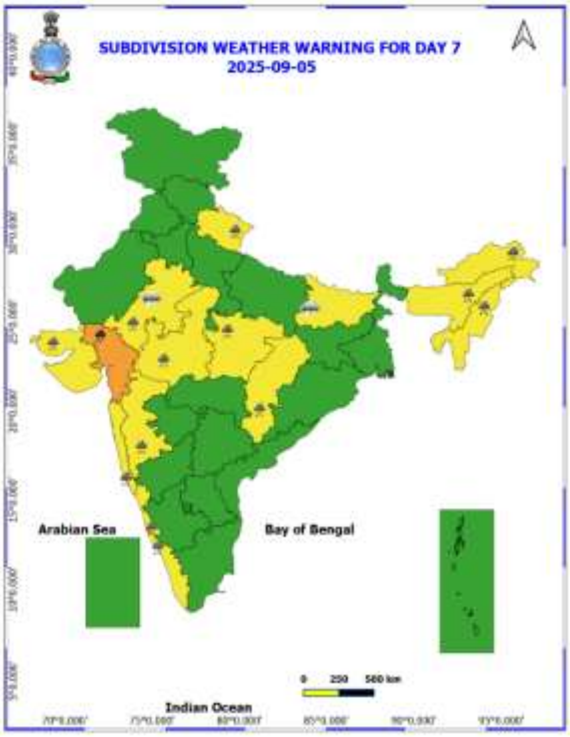

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 30 अगस्त से 02 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहा।पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आमतौर पर बादलों से ढका रहा और सतही हवाएं पूर्व दिशा से लगभग 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ वर्षा हुई, जबकि कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा दर्ज की गई। आज पूर्वाह्न में आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहा और सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान :

30.08.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय एक या दो दौर की बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। मुख्यतः सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दोपहर में चलेंगी। शाम और रात में हवाओं की गति घटकर 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

31.08.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर कुछ दौर की बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ वर्षा और कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा।प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से सुबह के समय 10 से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। दोपहर में इनकी गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और शाम/रात में गति घटकर 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

01.09.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा।प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से सुबह 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। दोपहर में गति घटकर 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और शाम/रात में 12 किमी प्रति घंटे से कम रह सकती है।

02.09.2025:आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ वर्षा और कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा।प्रमुख सतही हवाएं सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति से

चलेंगी। दोपहर में गति बढ़कर 22 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है और शाम/रात में गति घटकर 18 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्यवाही:

• खड़ी फसलों को नुकसान, शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक क्षति, खुले में रखी वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

• लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नज़र बनाए रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें।

• घर के अंदर रहें, दरवाजे और खिड़कियाँ बंद रखें, यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।

• सुरक्षित स्थानों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे खड़े न हों, कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें।

• बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से तुरंत बाहर आएं और बिजली प्रवाह कराने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

❖ 30 और 31 तारीख को हिमाचल प्रदेश में; 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उत्तराखंड; 30 अगस्त को जम्मू, पंजाब; 31 अगस्त को पूर्वी राजस्थान और 1 सितंबर को उत्तर प्रदेश; 30 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र के कोंकण, घाट क्षेत्र, 30 अगस्त को पश्चिम मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश; 30 अगस्त को गुजरात क्षेत्र और 3-5 सितंबर के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर में, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का, मूंग और उड़द के खेतों से तथा मध्यवर्ती क्षेत्र में मक्का, खरीफ दालों, धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी की व्यवस्था करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में; उप पर्वतीय एवं निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में तथा उच्च पर्वतीय शीतोष्ण शुष्क क्षेत्र में राजमा, आलू, जौ और सब्जी के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, पत्तागोभी और फूलगोभी की रोपाई स्थगित करें। सब्जी की नर्सरी और फसल को पॉलीशीट से ढक दें तथा मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में जल जमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सनवा और रागी के खेतों में तथा भाबर और तराई क्षेत्र में गन्ना, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त जल निकासी सुनिश्चित करें। पर्वतीय क्षेत्र में, मटर और मूली की बुवाई स्थगित करें तथा रागी, राजमा और सब्जी फसलों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में गन्ना, मूंग और मिर्च के खेतों से तथा उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र में मूंग और सोयाबीन के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- हरियाणा में, पूर्वी क्षेत्र में गन्ना, कपास, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- महाराष्ट्र में, कोंकण में धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में धान, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा विदर्भ में कपास, अरहर, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- गुजरात में, भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों, सब्जियों और नए फलों के पौधों को सहारा प्रदान करें। दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र में धान, गन्ना, भिंडी, कंद फसलों और सब्जियों के खेतों से; दक्षिण गुजरात क्षेत्र में कपास, गन्ना, अरहर, केला और आम जैसी खड़ी फसलों से तथा मध्य गुजरात क्षेत्र में धान, बाजरा, अरहर, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरंडी से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी की व्यवस्था करें।
- मध्य प्रदेश में, झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, कपास, उड़द और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल को जल निकासी चैनलों के माध्यम से निकालने की व्यवस्था करें।
- कर्नाटक में, तटीय क्षेत्र में धान के खेतों एवं सुपारी और केले के बागानों में तथा पहाड़ी क्षेत्र में धान, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में धान, सोयाबीन, रागी, मक्का और केले के बागानों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

31-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहुल-स्पीति, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	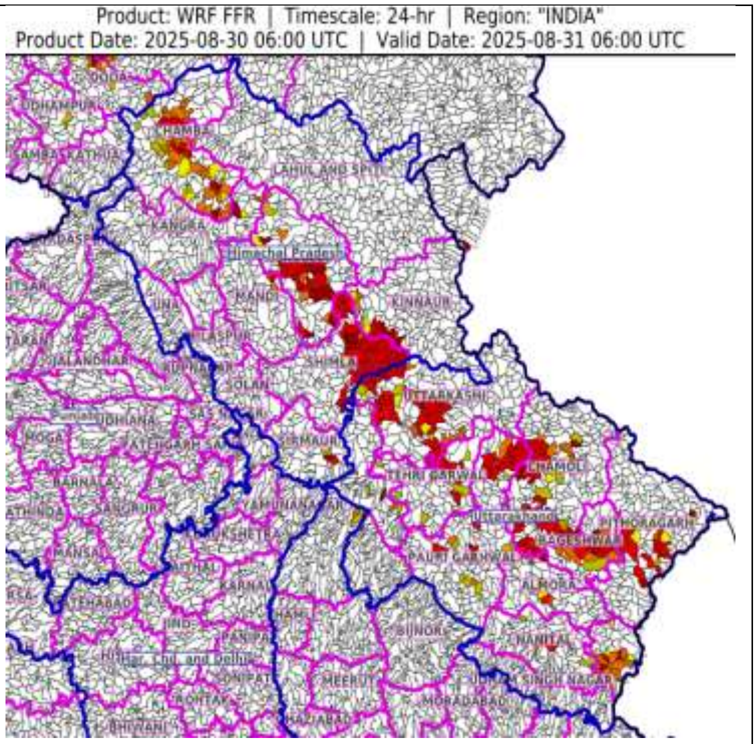
31-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम - उत्तरी सिक्किम, दक्षिण सिक्किम, पश्चिमी सिक्किम, दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	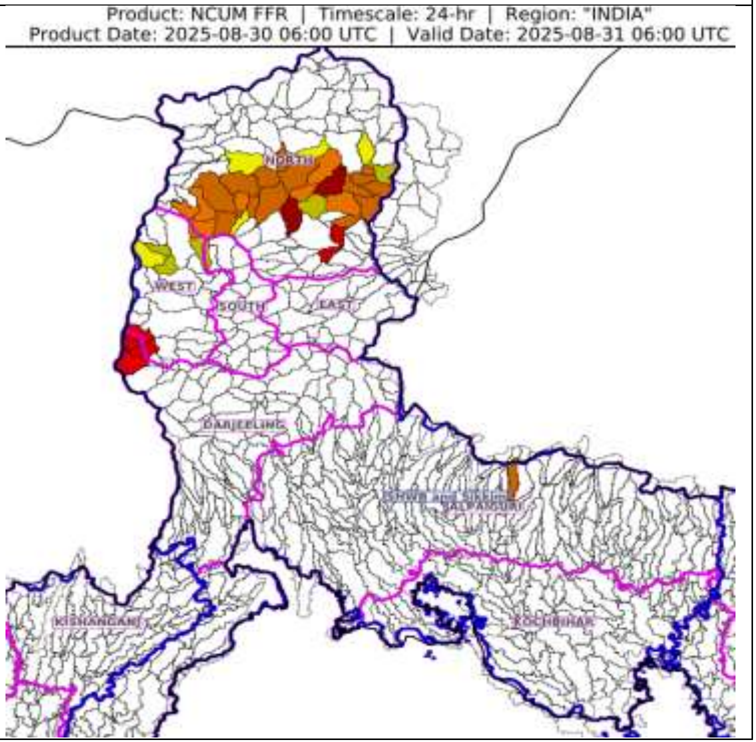

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

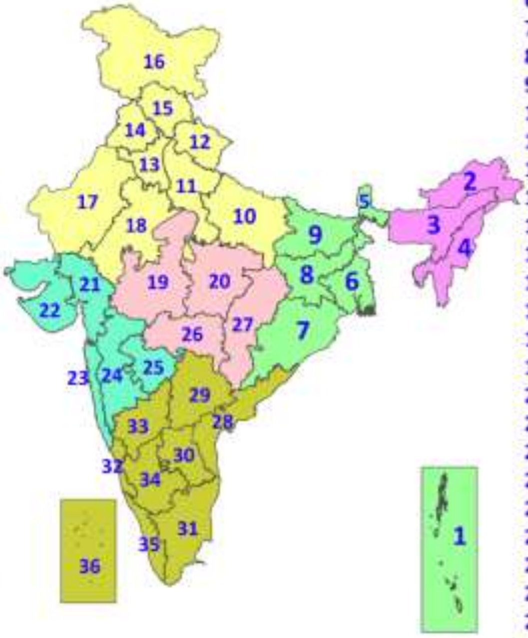

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)